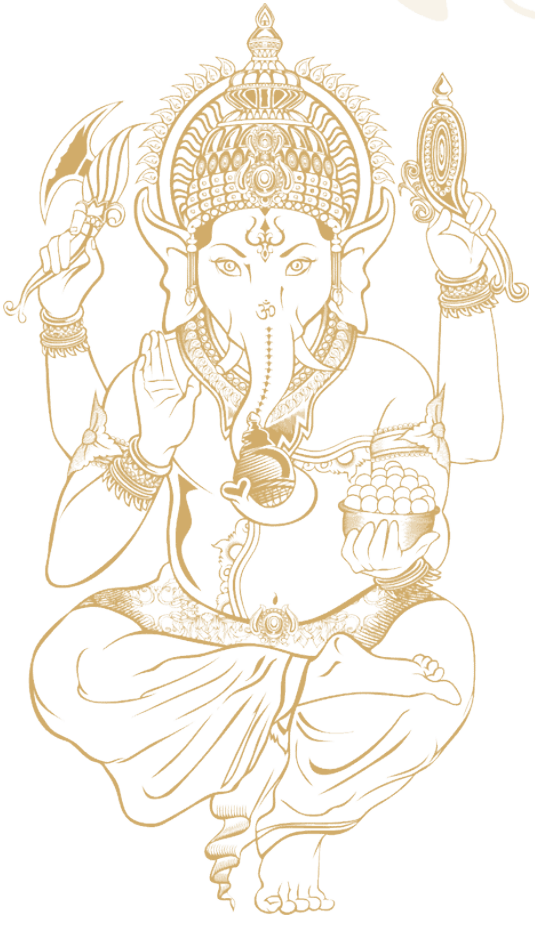

Mr.Shubham

Ms. Muskan

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120261803

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
21/01/1996	जन्म तिथि	21/09/1999
रविवार	दिन	मंगलवार
घंटे 08:47:00	जन्म समय	12:37:00 घंटे
घटी 04:21:01	जन्म समय(घटी)	16:15:15 घटी
India	देश	India
Vidisha	स्थान	Jabalpur
23:30:00 उत्तर	अक्षांश	23:10:00 उत्तर
77:50:00 पूर्व	रेखांश	79:57:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:18:40	स्थानिक संस्कार	-00:10:12 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:02:35	सूर्योदय	05:58:28
17:57:10	सूर्यास्त	18:08:07
23:48:15	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:58

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
चन्द्र 6वर्ष 1मा 28दि	05:50:34	कुंभ	लग्न	धनु	02:15:31	चन्द्र 8वर्ष 0मा 5दि
राहु	06:33:10	मक	सूर्य	कन्या	04:00:55	राहु
20/03/2009	15:07:12	मक	चंद्र	मक	12:38:45	26/09/2014
20/03/2027	16:09:36	मक	मंगल	वृश्चि	18:09:37	26/09/2032
राहु 01/12/2011	01:24:16	मक व	बुध	कन्या	14:19:29	राहु 09/06/2017
गुरु 25/04/2014	10:09:08	धनु	गुरु व	मेष	09:55:46	गुरु 02/11/2019
शनि 01/03/2017	13:25:55	कुंभ	शुक्र	कर्क	26:51:43	शनि 08/09/2022
बुध 19/09/2019	27:13:09	कुंभ	शनि व	मेष	22:53:53	बुध 28/03/2025
केतु 06/10/2020	26:58:52	कन्या व	राहु	कर्क	18:17:00	केतु 15/04/2026
शुक्र 07/10/2023	26:58:52	मीन व	केतु	मक	18:17:00	शुक्र 15/04/2029
सूर्य 31/08/2024	06:42:54	मक	हर्ष व	मक	19:25:22	सूर्य 10/03/2030
चन्द्र 02/03/2026	01:38:02	मक	नेप व	मक	07:52:43	चन्द्र 08/09/2031
मंगल 20/03/2027	08:44:08	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	14:11:29	मंगल 26/09/2032

लग्न-चलित

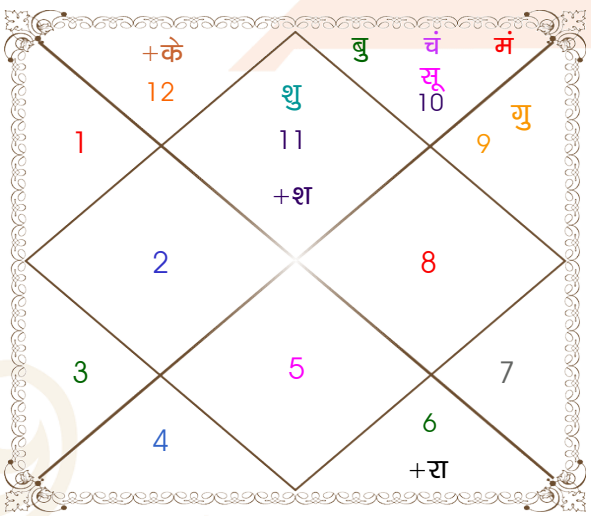

लग्न-चलित

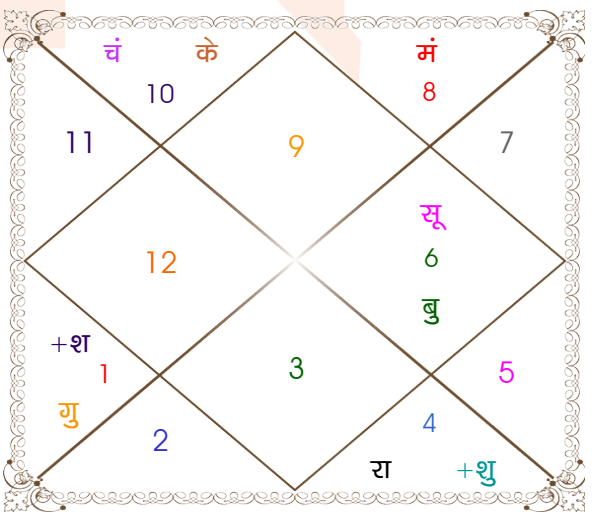

Shri Dadaji Jyotish kendra
Shop No 05, Sanskrit Mahavidyalaya Parisar Itarsi
8871726789
dadajiJyotishkendra@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	वानर	वानर	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	शनि	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मकर	मकर	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.00		

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि डतणैनईंउ का नक्षत्र श्रवण है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि डेण डनेांद का नक्षत्र श्रवण है।

डतणैनईंउ का वर्ग मार्जार है तथा डेण डनेांद का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतणैनईंउ और डेण डनेांद का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

डतणैनईंउ मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल डतणैनईंउ कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र डतणैनईंउ कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष

प्रभावहीन हो जाता है।

डेण डनोंद मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल डेण डनोंद कि कुण्डली में द्वादश भाव में वृश्चिक राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल डेण डनोंद कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतणैनईंउ तथा डेण डनोंद में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।